This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **642**

Unique Paper Code : **205455** **D**

Name of the Paper : **Aadhunik Kavya (आधुनिक काव्य)**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi Discipline Course**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतेंदु-युग की कविता की मुख्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। 15

अथवा

'छायावाद' की मुख्य प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

2. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) 'यशोधरा' की विरह-वेदना का विवेचन कीजिए।

(*ii*) 'यशोधरा' के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।

(*iii*) 'महाप्रस्थान' की मूल समस्या की चर्चा कीजिए।

(*iv*) 'महाप्रस्थान' के मुख्य चरित्र का परिचय दीजिए।

(*v*) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर भीष्म के विचारों की चर्चा कीजिए।

(*vi*) 'कुरुक्षेत्र' के प्रतिपाद्य को रेखांकित कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10

यह आर्द्र शुष्क यह उष्ण शीत

यह वर्तमान यह तू व्यतीत!

तेरा भविष्य क्या मृत्यु भीत ?

पाया क्या तूने घूमघाम

ओ क्षणभंगुर भव राम राम!

अथवा

कूक उठी है कोयल काली

ओ मेरे वनमाली

चक्कर काट रही है रह-रह

सुरभि मुग्ध मतवाली

अम्बर ने गहरी छानी यह,

भू पर दुगुनी ढाली!

ओ मेरे वनमाली।

अथवा

सहनशीलता क्षमा-दया को
तभी पूजता जग है
बल का दर्प चमकता उसके
पीछे जब जगमग है

अथवा

शान्ति नहीं तब तक जब तक
सुख भाग न नर का सम हो
नहीं किसी को बहुत अधिक हो
नहीं किसी को कम हो।

अथवा

आज नहीं तो कल
राजा से अधिक कठोर हो जायेंगे
ये राज्य-
और सुदूर भविष्य में
राज्य में भी अधिक अमानवीय हो जाएँगी
ये राज्य व्यवस्थाएँ।

अथवा

समाज अमूर्त होता है

व्यक्ति नहीं

और व्यक्ति के फूलत्व को कुचल दोगे

तो वन

गंधमादन कैसे बन पायेगा पार्थ ?

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×8=24

(*i*) भारतेंदु की मुकरियों में अभिव्यक्त व्यंग्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'आँसू' की विरह-भावना की चर्चा कीजिए।

(*iii*) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता के आधार पर निराला की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(*iv*) कवि सुमित्रानंदन पन्त के प्रकृति-वर्णन की विशेषताएँ बताइये।

(*v*) महादेवी वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त वेदना के स्वरूप को रेखांकित कीजिए।

(*vi*) अज्ञेय की काव्यानुभूति की विशिष्टताओं की पहचान कीजिए।

(*vii*) एक गीतकार के रूप में वीरेन्द्र मिश्र का मूल्यांकन कीजिए।

5. किन्हीं **दो** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×7=14

(*i*) एक बीते के बराबर

यह हरा ठिगना चना

बाँधे मुरैठा शीश पर

छोटे गुलाबी फूल का

सज कर खड़ा है।

(*ii*) विस्तृत नभ का कोई कोना

मेरा न कभी अपना होना

परिचय इतना इतिहास यही

उमड़ी कल थी मिट आज चली।

(*iii*) शशि-मुख पर घूँघट डाले,

अंचल में दीप जलाए,

जीवन की गोधूलि में

कौतूहल-से तुम आए।

(*iv*) देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा छिन्न तार

देखकर कोई नहीं, देखा मुझे उस दृष्टि से

जो मार खा रोई नहीं।

(*v*) ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार

उर में आलोकित शत विचार

इस धारा-सा ही जग का क्रम,

शाश्वत इस जग का उद्‌गम

शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।